— दैनिक समाचार पत्र —

सुमन पत्रिका

वर्ष: 03 अंक:152 | मूल्य: 2.00 रुपए | शुक्रवार , 05 जून 2026 | पृष्ठ: 4

डबल इंजन सरकार की विकास योजनाओं के केन्द्र में युवा, महिला, किसान और गरीब युवा प्रदेश की ताकत,मेहनत और समर्पण से बनाएं विकसित राजस्थान

संबल सखी और माय भारत वॉलिंटियर्स सरकार और आमजन के बीच महत्वपूर्ण कड़ी- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत-विकसित राजस्थान के विजन को साकार करने के लिए राज्य सरकार पूर्ण प्रतिबद्धता से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की युवा और महिला शक्ति हमारी सबसे बड़ी ताकत है। युवा और महिलाएं जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने तथा सामाजिक जागरूकता बढ़ाने में सक्रिय भागीदारी निभाएं और प्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बनाएं।

मुख्यमंत्री बुधवार शाम को मुख्यमंत्री निवास पर संबल सखी एवं माय भारत वॉलिंटियर्स से संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवा, महिला, किसान, गरीब के उत्थान, कल्याण और सम्मान के लिए जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे राज्य सरकार और आमजन के बीच की महत्वपूर्ण कड़ी बनें, जिससे विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, डिजिटल सेवाओं, ई-गवर्नेंस, डिजिटल भुगतान और तकनीक आधारित सुविधाओं की जानकारी जरूरतमंदों तक पहुंचे और उन्हें योजनाओं का लाभ मिल सके।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान से देश में लिंगानुपात में सुधार हुआ, घर-घर शौचालय निर्माण से महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान की सुनिश्चितता हुई। वहीं, उज्ज्वला योजना के जरिए धुएं से मुक्ति मिली और जन-धन खातों के खुलने से जरूरतमंदों तक योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के जरिए महिलाओं के हाथ में घर की चाबी सौंपी गई। वहीं, आधी आबादी को उसका हक देने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाया गया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार राज्य में बेटियों को अच्छी शिक्षा उपलब्ध करवाने के साथ ही प्रोत्साहन के रूप में स्कूटी दे रही है। इसके लिए अब सीधे उनके खातों में रुपये जमा करने का प्रावधान भी किया गया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के विकास के लिए सबसे पहले हमने जल उपलब्धता का रोडमैप बनाया, जिसके तहत राम जल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, देवास परियोजना का विस्तार, आईजीएनपी एवं गंग नहर का सुदृढ़ीकरण, माही बांध परियोजना, सोम-कमला-अम्बा परियोजना, ब्राह्मणी नदी परियोजना जैसे कार्य प्रगति पर हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए तेजी से काम किया जा रहा है। इसी दिशा में हमने ढाई वर्ष में ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाया है। वहीं, वर्ष 2027 तक प्रदेशभर में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाने का लक्ष्य तय किया है तथा अब तक 26 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में 4 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने के क्रम में अब तक सवा लाख से अधिक पदों पर नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा चुके हैं। वहीं, प्रदेश में उद्योगों को बढ़ावा देकर निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए राइजिंग राजस्थान का आयोजन किया, जिसमें हुए 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू में से 9 लाख करोड़ रुपये के एमओयू धरातल पर उतर चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा रोजगार प्रदाता भी बनें। राजस्थान में कृषि पैदावार की विविधता के कारण प्रसंस्करण उद्योग में अपार संभावना है। इसी क्रम में युवा प्रोसेसिंग यूनिट्स स्थापित कर अन्य लोगों को रोजगार दें और किसानों के आर्थिक सशक्तीकरण में भी भागीदार बनें। उन्होंने कहा कि राजस्थान देश में दुग्ध उत्पादन में अग्रणी राज्यों में शामिल है। हमारी सरकार दूध संकलन केंद्रों की संख्या एवं दूध प्रसंस्करण इकाइयों की क्षमता में वृद्धि कर रही है। साथ ही, पशुपालकों को 5 रुपये प्रति लीटर का अनुदान दे रही है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की 6 हजार रुपये की किसान सम्मान निधि के अतिरिक्त राज्य सरकार भी 3 हजार रुपये की सम्मान निधि दे रही है। वहीं, किसानों को गेंहू की एमएसपी पर 150 रुपये का बोनस दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार गांवों और शहरी वार्डों के विकास का रोडमैप भी बना रही है। इसमें 'वोकल फॉर लोकल' के जरिये स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा दिया जाएगा। साथ ही, पंच गौरव के जरिए प्रत्येक जिले में एक खेल, एक वनस्पति, एक उपज, एक पर्यटन स्थल और एक उत्पाद को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा राजस्थान की सबसे बड़ी ताकत है, यहां की 45 प्रतिशत आबादी 25 वर्ष से कम आयु की है। इसलिए युवा विकास, नवाचार, निवेश, रोजगार, शिक्षा और जनकल्याण के क्षेत्र में राजस्थान को देश में अग्रणी राज्य बनाने के लिए महत्वपूर्ण योगदान दें।

उन्होंने कहा कि राजस्थान प्रतिभा, संस्कृति, पर्यटन, कृषि, उद्योग, शिक्षा और आध्यात्मिक विरासत के क्षेत्र में देश के सबसे समृद्ध राज्यों में से एक है। प्रदेश के युवाओं ने देश और दुनिया में अपनी मेहनत, ईमानदारी और कार्यकुशलता का लोहा मनवाया है। राजस्थान के ऐतिहासिक दुर्ग, महल, वन्यजीव अभयारण्य, झीलें और धार्मिक स्थल इसे पर्यटन की दृष्टि से विशिष्ट पहचान प्रदान करते हैं।

मुख्यमंत्री ने नशामुक्त राजस्थान के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना अतिआवश्यक है। युवाओं को नशे से दूर रखने और इसके विरुद्ध जनजागरण अभियान चलाने में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। राज्य सरकार 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' के माध्यम से तालाबों, बावड़ियों, सरोवरों, नहरों और अन्य जल स्रोतों के संरक्षण तथा वर्षा जल संचयन को जन आंदोलन का स्वरूप दे रही है। साथ ही बड़े स्तर पर पौधारोपण अभियान भी संचालित किए जा रहे हैं, ताकि आने वाली पीढ़ी के लिए समृद्ध पर्यावरण सुनिश्चित किया जा सके। इस दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित संबल सखी एवं माय भारत वॉलिंटियर्स ने जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

सड़कों के निर्माण में पारदर्शिता, गुणवत्ता हो सुनिश्चित, निम्नस्तरीय सड़क निर्माण पर अधिकारी-अभियंता के विरूद्ध करें सख्त कार्रवाई

प्रमुख शहरों को जोड़ने के लिए सुदृढ़ सड़क तंत्र का हो विस्तार और विकास- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

वर्तमान सरकार ने 48 हजार 748 किमी लम्बाई की सड़कों का किया विकास, पूर्ववर्ती सरकार के समय में इस अवधि में केवल 30 हजार 641 किमी ही बनी

जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सड़कों का निर्माण पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ करने के स्पष्ट निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण की निरंतर जांच की जाए एवं निम्नस्तरीय सड़क पर अधिकारी-अभियंता की जिम्मेदारी तय करते हुए उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी धन का दुरुपयोग और अपव्यय किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर सार्वजनिक निर्माण विभाग की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य में सड़क तंत्र को मजबूत, सुरक्षित और व्यापक बनाने के लिए डबल इंजन की सरकार बड़ी परियोजनाओं पर कार्य कर रही है। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में उच्च गुणवत्ता के मापदण्डों को ध्यान में रखते हुए आपसी समन्वय से तय समयसीमा में पूरा किया जाए। विकास एवं परियोजनाओं के कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग भी सुनिश्चित हो।

उन्होंने प्रस्तावित ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे की विस्तृत समीक्षा की

मुख्यमंत्री ने जालौर-झालावाड़, श्रीगंगानगर-कोटपूतली, अजमेर-बांसवाड़ा के मध्य बेहतर कनेक्टिविटी के संबंध में चर्चा करते हुए दिशा-निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने जयपुर शहर की यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए रिंग रोड के उत्तरी हिस्से की योजना पर भी चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि आधारभूत ढांचे के विकास से राज्य के विकास को गति मिलती है। हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आवागमन को सरल और सुगम बनाया जाए और हर गांव, हर कस्बे को सड़क तंत्र से जोड़ा जाए। उन्होंने सड़कों के सुदृढ़ीकरण एवं चैड़ाईकरण से संबंधित कार्यों में गति लाने के निर्देश देते हुए मौजूदा सड़क तंत्र के विकास एवं विस्तार पर जोर दिया। उन्होंने प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास कार्यों की भी समीक्षा कर निर्देश दिए कि प्रगतिरत कार्यों में गति लाई जाए। साथ ही, उन्होंने राज्य राजमार्ग, मुख्य जिला सड़क, अन्य जिला सड़क एवं ग्रामीण सड़कों के सुदृढ़ीकरण एवं नवीनीकरण के कार्यों की विस्तृत समीक्षा भी की।

पूर्ववर्ती सरकार की तुलना में 18 हजार किलोमीटर से अधिक सड़क विकास

बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को प्रगतिरत कार्यों के बारे में अवगत करवाते हुए बताया कि वर्तमान सरकार के 2 वर्ष 5 माह के कार्यकाल में अब तक 33 हजार 195 करोड़ रुपये का व्यय कर 48 हजार 748 किमी लम्बाई में सड़कों का विकास कार्य पूर्ण किया गया है। जिसमें से 17 हजार 934 किमी लम्बाई की नवीन सड़कों का निर्माण कार्य किया गया है तथा 1 हजार 756 गांवों को सड़कों से जोड़ा गया है। वहीं, 6 हजार 184 किमी लम्बाई में अन्य जिला सड़कों एवं ग्रामीण सड़कों का मुख्य जिला सड़कों में क्रमोन्नयन किया गया। गांव के सड़क तंत्र को सुदृढ़ किये जाने के लिए 378 किमी लम्बाई में कार्य कर 256 गांवों में अटल प्रगति पथों का निर्माण पूर्ण किया गया। उल्लेखनीय है कि पूर्ववर्ती सरकार में समान समयावधि के दौरान 13 हजार 400 करोड़ रुपये व्यय कर 30 हजार 641 किमी लम्बाई में सड़कों का निर्माण कार्य ही किया गया था। वहीं, नवीन सड़कें भी केवल 4 हजार 671 किमी लम्बाई में निर्मित की गई थी। साथ ही, केवल 280 गांव ही सड़कों से जुड़ पाए थे। इस तरह पूर्ववर्ती सरकार की तुलना में वर्तमान सरकार में 18 हजार किलोमीटर से अधिक सड़क विकास कार्य हुए है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस दौरान भरतपुर जिले में प्रगतिरत एवं प्रस्तावित विकास कार्यों को लेकर भी चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिए कि विकास परियोजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध रूप से पूर्ण किए जाएं। उन्होंने जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान, सड़कों के चैड़ाइकरण, खेल सुविधाओं के विकास, पार्कों के उन्नयन तथा ड्रेनेज व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए प्रभावी कार्ययोजना के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन में भविष्य की आवश्यकताओं एवं जन अपेक्षाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय अखिल अरोड़ा व अतिरिक्त मुख्य सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रवीण गुप्ता सहित भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सार्वजनिक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

शहरों की बिगड़ती सूरत

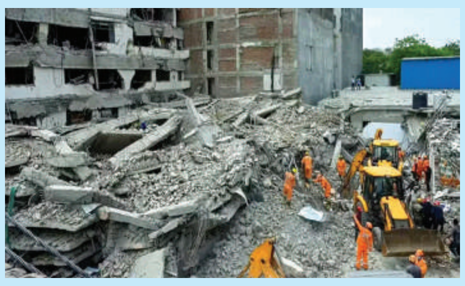

देश की राजधानी में एक पांच मंजिला भवन गिरने से छह लोगों की मौत और कई के घायल होने के बाद भवन स्वामी की गिरफ्तारी करने के साथ ही नगर निगम के दो इंजीनियरों को निलंबित कर दिया गया। इसके अतिरिक्त मजिस्ट्रेट जांच के आदेश भी दे दे गिए। इस घटना के बाद नगर निगम यह जानने की कोशिश कर रहा है कि आखिर शिकायतों के बाद भी उक्त इमारत में अतिरिक्त मंजिल का अवैध निर्माण कैसे हो रहा था? वह अन्य ऐसी ही इमारतों की छानबीन में भी जुट गया है, लेकिन इसके आसार कम ही हैं कि आगे ऐसी घटनाएं नहीं होंगी और अवैध निर्माण का सिलसिला बंद होगा, क्योंकि यदि ऐसा होना होता तो बहुत पहले हो गया होता। आखिर दिल्ली में ऐसी कोई इमारत पहली बार नहीं गिरी, जो अवैध रूप से बनी थी या निर्मित की जा रही थी। ऐसी न जाने कितनी घटनाएं हो चुकी हैं और फिर भी नतीजा ढाक के तीन पात वाला है। ऐसा इसीलिए है, क्योंकि नगर निकाय के अधिकारी-कर्मचारी कुछ ले-देकर अवैध निर्माण होने देते हैं। वे पैसों के लालच में भवन निर्माण संबंधी नियम-कानूनों की अनदेखी करते हैं। इस मामले में जो स्थिति दिल्ली की है, वही शेष देश की भी है।

हमारे हर छोटे-बड़े शहर में अवैध एवं बेतरतीब निर्माण हो रहा है। यह स्थानीय निकायों के संरक्षण और उनकी जानकारी में होता है। इसी कारण शहरों में अवैध तरीके से रिहायशी और व्यावसायिक इमारतों का निर्माण होता रहता है। स्थिति यह है कि जो पुराने भवन दो-तीन मंजिल के होते हैं, वे जर्जर होने के बाद भी अवैध निर्माण के सहारे चार-पांच मंजिलों में तब्दील कर लिए जाते हैं। इससे क्षेत्र विशेष में आबादी का दबाव बढ़ने के साथ नागरिक सुविधाओं का अभाव भी बढ़ता है।

अपने देश में ऐसा कोई नियम ही नहीं कि किसी इलाके में कितनी आबादी रहनी चाहिए। इससे भी बड़ी त्रासदी यह है कि हर कहीं रिहायशी इलाके व्यावसायिक इलाकों में तब्दील हो रहे हैं। देश भर में घरों में दुकानें बनाने की होड़ सी कायम है। ऐसा पुराने मोहल्लों के साथ नए मोहल्लों में भी हो रहा है। इसी कारण हमारे शहर बेतरतीब विकास का पर्याय बन गए हैं और वे नागरिक सुविधाओं के अभाव के साथ प्रदूषण एवं गंदगी से घिरते जा रहे हैं।

अनियोजित शहर नगरीय जीवन को केवल कष्टकारी ही नहीं बनाते, बल्कि वे विकास में बाधक भी बनते हैं। आज के युग में शहर आर्थिक विकास के इंजन हैं, लेकिन तभी, जब उनका नियोजित ढंग से विकास हो। विडंबना यह है कि जिन नगर निकायों की पहली जिम्मेदारी शहरों के नियोजित विकास को सुनिश्चित करना है, वे उसका ही निर्वाह करने में बुरी तरह नाकाम हैं। यदि शहरों की सूरत संवारनी है और उन्हें विकास का वाहक बनाना है तो स्थानीय निकायों के कामकाज के तौर-तरीकों को पूरी तरह बदलना होगा।

गति पकड़ता सेमीकंडक्टर अभियान

वर्तमान दौर में सेमीकंडक्टर की अहमियत किसी से छिपी नहीं रही है। इस संदर्भ में अच्छी बात यह है कि भारत ने भी इसके निर्माण में तेजी से कदम बढ़ाने शुरू कर दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हालिया नीदरलैंड दौरे पर वहां की दिग्गज कंपनी एएसएमएल और टाटा इलेक्ट्रानिक्स के बीच अनुबंध पर हस्ताक्षर हुए है। एएसएमएल को आधुनिक सेमीकंडक्टर निर्माण की रीढ़ मानी जाने वाली उन्नत लिथोग्राफी प्रणालियों के मामले में विश्व के प्रमुख आपूर्तिकर्ता में से एक माना जाता है। यह अनुबंध इसका प्रतीक है कि भारत अब वैश्विक इलेक्ट्रानिक्स इकोसिस्टम में महज एक उपभोक्ता या असेंबलिंग तक ही सीमित न रहकर समूची मूल्य शृंखला में स्वयं को स्थापित करने पर ध्यान दे रहा है।

यह करार गुजरात के धोलेरा में 11 अरब डालर के निवेश वाले टाटा के प्रस्तावित चिप निर्माण संयंत्र के लिए बेहद अहम है। धोलेरा को भारत के सेमीकंडक्टर हब के रूप में भी देखा जा रहा है। सेमीकंडक्टर को लेकर भारत का दृष्टिकोण आर्थिक, रणनीतिक और भू-राजनीतिक निहितार्थों से प्रेरित है। आर्थिक दृष्टिकोण से देखें तो इलेक्ट्रानिक्स की खपत में तेजी के चलते देश सेमीकंडक्टर के आयात पर बड़ी हद तक निर्भर है। आज के इस दौर में जहां चिप्स आटोमोबाइल एवं दूरसंचार से लेकर रक्षा प्रणालियों, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआइ और डिजिटल बुनियादी ढांचे जैसे उदीयमान क्षेत्रों की रीढ़ बन चुके हैं, वहां उसकी आधारभूत सामग्री पर बाहरी निर्भरता को घटाना आत्मनिर्भरता के साथ ही आर्थिक सुरक्षा का भी एक अहम अवयव बन गया है। इसका भू-राजनीतिक संदर्भ भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

वैश्विक सेमीकंडक्टर उत्पादन मुख्य रूप से ताइवान, दक्षिण कोरिया, चीन और अमेरिका में केंद्रित है। कोविड-19 महामारी से लेकर अमेरिका और चीन के बीच तकनीकी मोर्चे पर तनातनी जैसे पहलुओं ने इस आपूर्ति में गतिरोध पैदा करने का काम किया है। इसने दर्शाया है कि आपूर्ति शृंखलाओं का संकेंद्रण कितना भारी पड़ सकता है। इसका ही परिणाम रहा कि प्रमुख वैश्विक विनिर्माताओं और सरकारों ने उत्पादन में विविधता को प्रोत्साहन देने के लिए चीन से इतर उत्पादन की %चीन प्लस वन% वाली नीति को अपनाया। इस क्रम में अपने बड़े बाजार, जनसांख्यिकीय गहराई और बढ़ते भूराजनीतिक महत्व के चलते भारत स्वयं को एक आकर्षक वैकल्पिक केंद्र के रूप में प्रस्तुत कर रहा है।

रणनीतिक दृष्टिकोण से देखें तो सेमीकंडक्टर निर्माण के निहितार्थ केवल वाणिज्यिक हितों तक सीमित नहीं हैं। सुरक्षित और विश्वसनीय चिप आपूर्ति शृंखलाओं पर नियंत्रण का पहलू अब राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ भी गहराई से जुड़ा है। विशेष रूप से रक्षा इलेक्ट्रानिक्स, साइबर बुनियादी ढांचे, दूरसंचार और एआइ संचालित तकनीकों जैसे क्षेत्रों में। इसी कारण सेमीकंडक्टर परिदृश्य महाशक्तियों की प्रतिस्पर्धा के एक नए मोर्चे के रूप में उभरा है और इस क्षेत्र में भारत का प्रवेश बदलती वैश्विक वास्तविकताओं को स्वीकारने के उसके रवैये को ही रेखांकित करता है। नई दिल्ली ने इसी को ध्यान में रखकर अपना नीतिगत ढांचा भी तैयार किया है। इसके अंतर्गत 76,000 करोड़ रुपये के आवंटन वाले इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन यानी आइएसएम, स्वीकृत चिप निर्माण परियोजनाओं के लिए 50 प्रतिशत तक की वित्तीय सहायता जैसी पहल की गई हैं। शायद ही विश्व में कहीं और ऐसे प्रोत्साहन दिए गए हैं। केंद्रीय बजट में भी आइएसएम 2.0 के दायरे का विस्तार करते हुए सेमीकंडक्टर उपकरण, सामग्री, बौद्धिक संपदा विकास, आपूर्ति शृंखला में लचीलेपन और शोध एवं विकास यानी आरएंडडी क्षमताओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है। स्पष्ट है कि भारत की रणनीति अपनी छितरी हुई क्षमताओं को एकीकृत कर उसका लाभ उठाने पर केंद्रित है।

सेमीकंडक्टर अभियान से जुड़ी कई परियोजनाएं अब धरातल पर साकार होने लगी हैं। गुजरात इन गतिविधियों का गढ़ बना हुआ है। धोलेरा में टाटा-पावरचिप फैब्रिकेशन परियोजना तो साणंद में माइक्रोन की एटीएमपी इकाई स्थापित हो रही हैं। असम को टाटा की ओसैट परियोजना हासिल करने में सफलता मिली है, जबकि उत्तर प्रदेश नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास एचसीएल-फाक्सकान संयुक्त उपक्रम के माध्यम से स्वयं को इस परिदृश्य पर मजबूती से उभारने में लगा है। उत्तर प्रदेश सेमीकंडक्टर नीति 2024 तो बाकायदा दर्शाती है कि राज्य सरकारें किस प्रकार अतिरिक्त पूंजीगत सब्सिडी, कर छूट, भूमि दरों में रियायत, बिजली रियायत और कौशल विकास पहलों के माध्यम से केंद्रीय प्रोत्साहनों की पूरक बनकर इस प्रक्रिया को रफ्तार दे रही हैं। केंद्रीय रणनीतिक दूरदर्शिता और राज्यस्तरीय प्रतिस्पर्धा के बीच का यह तालमेल धीरे-धीरे भौगोलिक रूप से एक व्यापक सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को तैयार कर रहा है।

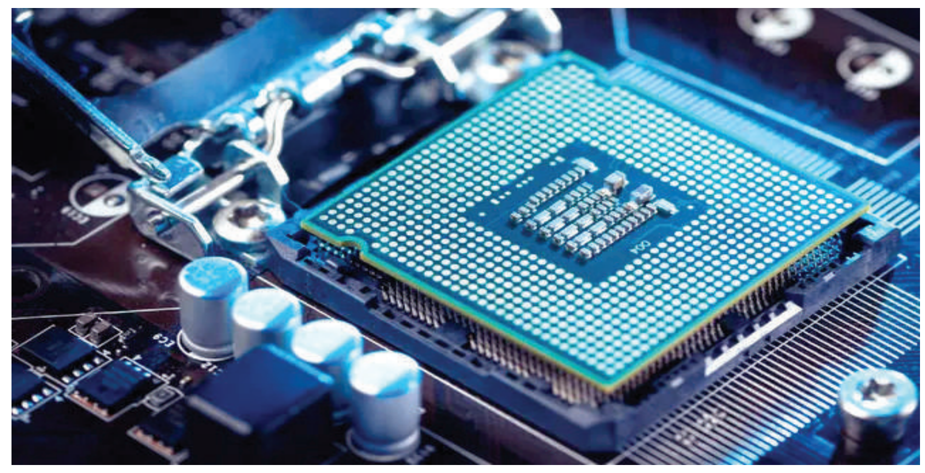

कई स्तरों पर प्रगति के बावजूद इस राह में चुनौतियां भी कम नहीं हैं। चिप निर्माण उन उद्योगों में से एक है, जिनके लिए व्यापक स्तर पर पूंजी निवेश की आवश्यकता होती है। पानी की भरोसेमंद एवं सतत आपूर्ति, बिजली की निरंतर उपलब्धता, कुशल कामकाजी आबादी एवं सक्षम आपूर्ति तंत्र का सुनिश्चित होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। वर्तमान विश्व में निर्यातों को लेकर जिस तरह के नियंत्रण एवं भू-राजनीतिक तनाव, खेमेबंदी और प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है, उसके प्रभाव से यह क्षेत्र भी अछूता नहीं। इन पहलुओं के सम्मिलित प्रभाव भी इस क्षेत्र के भविष्य की दशा-दिशा को प्रभावित करेंगे। देखा जाए तो टाटा-एसएमएल अनुबंध, माइक्रोन संयंत्र के संचालन और आइएसएम 2.0 के साथ स्पष्ट है कि भारत की सेमीकंडक्टर रणनीति संकल्पना के स्तर से वास्तविकता का आकार ग्रहण करने लगी है। इससे एक दीर्घकालिक औद्योगिक क्रांति की बुनियाद रखी जा रही है। वैश्विक सेमीकंडक्टर परिदृश्य में स्वयं को एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में प्रस्तुत कर रहे भारत को इससे केवल आर्थिक लाभ ही नहीं मिलेंगे, बल्कि वह रणनीतिक स्वायत्तता भी प्राप्त होगी, जहां तकनीकी क्षमताएं शक्ति संतुलन में अहम भूमिकाएं निभाने लगी हैं।

टूटे समाजों में भरोसा लौटाने के लिए सम्मान

दुनिया में सैनिकों की पहचान अक्सर युद्ध और सीमाओं से जुड़ी होती है। लेकिन कुछ सैनिक ऐसे भी होते हैं, जो वर्दी पहनकर केवल सुरक्षा ही नहीं देते, बल्कि भरोसा, संवेदनशीलता और उम्मीद भी बांटते हैं। भारतीय सेना में मेजर अभिलाषा बराक आज ऐसी ही पहचान बन चुकी हैं। संयुक्त राष्ट्र ने उन्हें वर्ष 2025 के प्रतिष्ठित 'यूएन मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवॉर्ड' के लिए चुना है।

लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के दौरान महिलाओं और किशोरियों के बीच विश्वास निर्माण, संवाद और संवेदनशील नेतृत्व के लिए न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में उन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया गया। यह उपलब्धि सिर्फ एक सैन्य अधिकारी की सफलता नहीं है। यह उस भारत की कहानी है, जहां बेटियां अब केवल सपने नहीं देख रहीं, बल्कि दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित मंचों पर देश का प्रतिनिधित्व भी कर रही हैं।

अभिलाषा बराक का संबंध हरियाणा के रोहतक से है। उनका बचपन सेना के अनुशासन और देशभक्ति के माहौल में बीता। उनके पिता कर्नल एस. ओम सिंह भारतीय सेना में रहे हैं। परिवार की सैन्य परंपरा ने अभिलाषा के व्यक्तित्व को प्रभावित किया। तभी उनके भीतर देशसेवा केवल एक पेशा नहीं, बल्कि जीवन का लक्ष्य बनती चली गई। हालांकि उनका जन्म तमिलनाडु के वेलिंगटन स्थित सैन्य अस्पताल में हुआ, लेकिन परिवार की जड़ें रोहतक से जुड़ी रहीं। अभिलाषा ने जब भारतीय सेना की पहली महिला कॉम्बैट एविएटर बनकर इतिहास रचा, तब हरियाणा ने उन्हें गर्व के साथ 'रोहतक की बेटी' कहा। उन्होंने दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की और बाद में चेन्नई की ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी से सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त किया।

साल 2022 भारतीय सेना के इतिहास में एक अहम मोड़ आया, जब अभिलाषा भारतीय सेना की पहली महिला कॉम्बैट एविएटर बनीं। यह भारतीय सेना के बदलते स्वरूप का प्रतीक भी थी। लंबे समय तक सेना के लड़ाकू और एविएशन विंग को पुरुष प्रधान क्षेत्र माना जाता रहा। महिलाओं की भूमिका सीमित समझी जाती थी। उन्होंने यह साबित किया कि साहस, नेतृत्व और क्षमता का कोई लिंग नहीं होता। उनकी इस उपलब्धि ने देशभर की हजारों लड़कियों को यह संदेश दिया कि अब भारतीय सेना में महिलाओं के लिए कोई 'सीलिंग' नहीं बची है।

आज संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशन केवल सैन्य कार्रवाई तक सीमित नहीं हैं। उनका उद्देश्य संघर्ष प्रभावित समाज में भरोसा बहाल करना भी है। लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूएनआईएफआईएल) के तहत तैनात भारतीय बटालियन में अभिलाषा बराक महिला सहभागिता दल की कमांडर के रूप में कार्यरत हैं। युद्ध प्रभावित इलाकों में महिलाएं और बच्चियां सबसे ज्यादा असुरक्षित होती हैं। ऐसे क्षेत्रों में महिला सैनिकों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है, क्योंकि वे स्थानीय महिलाओं से ज्यादा सहज संवाद स्थापित कर पाती हैं। अभिलाषा बराक ने लेबनान में महिलाओं और किशोरियों के साथ संपर्क कार्यक्रम चलाए, सामुदायिक गतिविधियों में हिस्सा लिया और शांति सैनिकों को लैंगिक संवेदनशीलता का प्रशिक्षण भी दिया। उन्होंने यह दिखाया कि एक सैनिक केवल सुरक्षा का प्रतीक नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास का चेहरा भी हो सकता है। संयुक्त राष्ट्र ने उनके इसी मानवीय नेतृत्व और संवेदनशील कार्यशैली को सम्मानित करने का फैसला किया।

मेजर अभिलाषा बराक इस प्रतिष्ठित सम्मान को पाने वाली भारत की तीसरी महिला अधिकारी हैं। उनसे पहले सुमन गुवानी और राधिका सेन भी संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में अपने उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित हो चुकी हैं। मेजर सुमन गवानी को दक्षिण सूडान में महिलाओं के अधिकारों और सामुदायिक भागीदारी को मजबूत करने के लिए सम्मान मिला था। वहीं मेजर राधिका सेन ने संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में महिला सुरक्षा और सामाजिक भरोसा कायम करने की दिशा में अहम कार्य किया। अब अभिलाषा बराक का इस सूची में शामिल होना भारतीय महिला सैन्य नेतृत्व की निरंतर बढ़ती वैश्विक स्वीकार्यता का प्रमाण है।

एक समय था जब हरियाणा को बेटियों के प्रति रूढ़ सोच वाले राज्य के रूप में देखा जाता था। लेकिन आज वही हरियाणा खेल, सेना, विज्ञान और प्रशासन में देश को नई पहचान देने वाली बेटियां दे रहा है। अभिलाषा बराक इसी बदलाव का सबसे मजबूत चेहरा हैं। उनकी उपलब्धि यह भी दिखाती है कि यदि अवसर, शिक्षा और विश्वास मिले तो भारतीय महिलाएं किसी भी क्षेत्र में विश्व स्तर पर नेतृत्व कर सकती हैं। अभिलाषा बराक की सबसे बड़ी ताकत यही है कि उन्होंने सैनिक की कठोर छवि के भीतर मानवीय संवेदना को जीवित रखा। उन्होंने दिखाया कि शांति मिशन केवल सीमाओं की निगरानी नहीं, बल्कि टूटे हुए समाज में भरोसा लौटाने की जिम्मेदारी भी है। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र ने उन्हें 'जेंडर एडवोकेट' यानी लैंगिक समानता की पैरोकार के रूप में सम्मानित करने का निर्णय लिया।

आज जब युवा पीढ़ी त्वरित सफलता और सोशल मीडिया की चमक से प्रभावित है, तब मेजर अभिलाषा बराक जैसी शख्सियतें यह याद दिलाती हैं कि असली पहचान मेहनत, अनुशासन और सेवा से बनती है। अभिलाषा की कहानी केवल एक सैन्य अधिकारी की कहानी नहीं, बल्कि उस नए भारत की कहानी है जहां बेटियां सीमाएं नहीं, संभावनाएं देखती हैं।

नशे पर शिकंजा

निस्संदेह, नशे का निरंतर फैलता काला कारोबार एक राष्ट्रीय संकट है। देश के विभिन्न भागों में करोड़ों-अरबों रुपये मूल्य के विदेशों से आने वाले नशीले पदार्थों की बरामदगी भयावह संकट की तसवीर उकेरती है। संगठित विदेशी अपराधियों की साजिशों और देश में फैले नशा तस्करों का गठजोड़, इस नशीले जहर के कारोबार को चला रहा है। आज जरूरत इस बात की है कि देश की तमाम खुफिया एजेंसियां व राज्य के विशेष पुलिस बल योजनाबद्ध ढंग से नशा कारोबारियों की कमर तोड़ें। लेकिन फिर भी कई राज्यों द्वारा चलाये जा रहे नशा विरोधी अभियान बिगड़ते हालात सुधारने में किसी हद तक मददगार साबित हो सकते हैं। पिछले दिनों पंजाब में भी ऐसा अभियान चलाया गया। अब सीमावर्ती जम्मू-कश्मीर में वर्षों से गहराते नशे के संकट के खिलाफ अभियान शुरू किया जा रहा है। सवाल यह है कि राज्य में नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू करने में इतना वक्त क्यों लगा? अब भले ही देर से ही सही, यह पहल शुरू करना वक्त की जरूरत है।

नशे के नश्तर से हमारी युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है और कई घरों के चिराग असमय बुझ रहे हैं। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, बीस जिलों का दौरा करके सौ दिवसीय नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर मार्च का नेतृत्व कर रहे हैं। वहीं इस अभियान का सुखद पहलू यह है कि दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में, इस कोशिश को प्रतिबंधित संगठन जमाते-ए-इस्लामी के एक गुट का भी समर्थन मिला है। कहना कठिन है कि इस समर्थन का हकीकत में असर कितना होगा। लेकिन इस घोषणा ने सकारात्मक संदेश जरूर दिया है कि समाज के विभिन्न वर्गों के सामूहिक प्रयासों से ही इस भयावह होते संकट का मुकाबला किया जा सकता है। सही मायने में समाज में व्याप्त तमाम वैचारिक मतभेदों को दरकिनार करते हुए, सामूहिक व निरंतर प्रयासों से ही नशा मुक्ति की लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाया जा सकता है।

वास्तव में नशा विरोधी अभियान के मार्ग में बाधा पैदा करने वाली जटिलताओं के मुकाबले के लिये कुछ दिन, कुछ माह के अभियान के बजाय साल में 365 दिन चलने वाली रणनीति अपनाने की जरूरत है। कभी-कभार चलाए जाने वाले अभियान इसके लक्ष्य को पाने में ज्यादा मददगार साबित नहीं हो सकते। इस संकट के समाधान के लिये नशे की लत के सामाजिक पहलुओं की भी व्यापक पड़ताल जरूरी है। कारगर समाधान हेतु सामाजिक स्तर पर रणनीति बनाने की जरूरत होती है।

विशेष आलेख /राशिफल

बेचैन युवा भारत की अभिव्यक्ति

भारतीय लोकतंत्र आज एक गहरे सामाजिक और राजनीतिक संक्रमण के दौर से गुजर रहा है। यह परिवर्तन केवल संसद या चुनावी परिणामों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज की मानसिक संरचना, संवाद की प्रकृति और जनमत निर्माण की प्रक्रिया तक फैल चुका है। आज राजनीतिक विमर्श का बड़ा हिस्सा इंटरनेट मीडिया पर आकार ले रहा है। जनमत अब पारंपरिक माध्यमों से आगे बढ़कर इंस्टाग्राम रील, यूट्यूब शार्ट्स, एक्स पोस्ट और वायरल मीम्स के जरिये निर्मित हो रहा है। इसी पृष्ठभूमि में काकरोच जनता पार्टी जैसी अचानक उभरी लोकप्रियता को केवल डिजिटल ट्रेंड मानकर खारिज नहीं किया जा सकता। यह उस बेचैन युवा भारत की अभिव्यक्ति है, जो स्वयं को लगातार उपेक्षित महसूस कर रहा है। समाजशास्त्र की दृष्टि से देखा जाए तो जब किसी समाज की मुख्य संस्थाएं- राजनीति, प्रशासन, शिक्षा और मीडिया जनभावनाओं से दूरी बनाने लगती हैं, तब नए प्रतीक और नई राजनीतिक भाषाएं जन्म लेती हैं। कई बार ये प्रतीक व्यंग्य के रूप में सामने आते हैं, लेकिन इनके भीतर गहरी सामाजिक पीड़ा और असंतोष छिपा होता है। काकरोच जनता पार्टी इसी डिजिटल युग का एक ऐसा ही सांकेतिक प्रतिरोध है। काकरोच एक ऐसा जीव है, जो सबसे कठिन परिस्थितियों में भी जीवित रह जाता है। यह प्रतीक आज के उस युवा मानस को आकर्षित करता है, जो बेरोजगारी, प्रतियोगी परीक्षाओं की अनिश्चितता, आर्थिक असुरक्षा और सामाजिक दबाव के बीच किसी तरह आगे बढ़ने की कोशिश कर रहा है। भारत आज विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में है। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। दूसरी ओर, शिक्षित बेरोज़गारी एक गंभीर चुनौती बनी हुई है। आंकड़े लगातार यह संकेत देते हैं कि युवाओं में बेरोजगारी की दर औसत से अधिक बनी हुई है। लाखों युवा वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन भर्ती प्रक्रियाएं या तो विलंबित होती हैं या विवादों में उलझ जाती हैं। यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं, बल्कि गहरे सामाजिक असंतोष का कारण बन रही है। आज का युवा केवल रोजगार नहीं चाहता, वह सम्मानजनक भागीदारी चाहता है। वह यह महसूस करना चाहता है कि लोकतंत्र में उसकी आवाज सुनी जा रही है, लेकिन जब उसे मंचों पर केवल औपचारिक आश्वासन और इंटरनेट मीडिया पर केवल प्रचार दिखाई देता है, तब वह अपनी अभिव्यक्ति के नए माध्यम खोजता है।

वर्तमान चुनावी परिदृश्य में यह प्रवृत्ति और अधिक स्पष्ट हो गई है। चुनाव अब केवल मतदान केंद्रों तक सीमित नहीं रहे, बल्कि मोबाइल स्क्रीन पर भी लड़े जा रहे हैं। राजनीतिक दलों के डिजिटल अभियान, आइटी सेल और इंटरनेट मीडिया रणनीतियां जनमत निर्माण में निर्णायक भूमिका निभा रही हैं, लेकिन इस डिजिटल राजनीति के बीच एक महत्वपूर्ण प्रश्न लगातार अनुत्तरित है-क्या हम वास्तव में युवा भारत की मूल चिंताओं को समझ पा रहे हैं? आज का युवा पहले की तरह केवल परंपरागत राजनीतिक निष्ठाओं से बंधा नहीं है। वह प्रश्न पूछता है, तुलना करता है, तथ्य जांचता है और तुरंत प्रतिक्रिया देता है। इंटरनेट मीडिया ने उसे अभूतपूर्व अभिव्यक्ति की शक्ति दी है। यह लोकतंत्र के विस्तार का भी संकेत है और उसकी नई चुनौती भी। इंटरनेट मीडिया की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि इसने लोकतंत्र को अधिक सहभागी बनाया है। छोटे शहरों और दूरदराज क्षेत्रों के युवा भी अब राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बन रहे हैं। जो आवाजें पहले अनसुनी रह जाती थीं, वे अब सीधे लाखों लोगों तक पहुंच रही हैं। भ्रष्टाचार, प्रशासनिक विफलता और सामाजिक अन्याय पर तुरंत प्रतिक्रिया संभव हुई है। यह लोकतंत्र की मजबूती का संकेत है, लेकिन इसका दूसरा पक्ष भी गंभीर है। इंटरनेट मीडिया ने राजनीति को अत्यधिक तात्कालिक और भावनात्मक बना दिया है। अब विचारों की गहराई से अधिक उनकी वायरल क्षमता महत्वपूर्ण हो गई है। कई बार नीतिगत बहसें पीछे छूट जाती हैं और प्रतीकात्मक राजनीति आगे बढ़ जाती है। एल्गोरिदम आधारित इस व्यवस्था में वही सामग्री अधिक फैलती है, जो उत्तेजना पैदा करे। इससे सामाजिक ध्रुवीकरण और वैचारिक टकराव बढ़ता है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि युवाओं की वास्तविक समस्याएं कहीं डिजिटल मनोरंजन में न बदल जाएं। बेरोजगारी, शिक्षा की गुणवत्ता, अवसरों की असमानता और भविष्य की अनिश्चितता जैसे गंभीर प्रश्न कई बार मीम संस्कृति में सीमित हो जाते हैं। यह लोकतंत्र के लिए दीर्घकालिक रूप से स्वस्थ संकेत नहीं है।

जब संवाद कमजोर होता है, तब प्रतिरोध असामान्य रूप ले लेता है। इंटरनेट मीडिया युग में यह प्रवृत्ति और तेज हुई है, क्योंकि यहां प्रतिक्रिया तत्काल मिलती है, लेकिन समाधान नहीं। राजनीतिक दलों के लिए यह समय आत्ममंथन का है। यदि युवा व्यंग्यात्मक प्रतीकों और डिजिटल आंदोलनों के माध्यम से अपनी राजनीतिक अभिव्यक्ति खोज रहा है तो यह संकेत है कि मुख्यधारा की राजनीति उसके विश्वास को पूरी तरह जीत नहीं पाई है। केवल प्रचार और नारों से यह दूरी कम नहीं होगी। इसके लिए रोजगार, शिक्षा, पारदर्शिता और वास्तविक सहभागिता को केंद्र में लाना होगा।

क्या कहते है आपके सितारें....?

मेष – आप तन-मन से अस्वस्थ रहेंगे। बुखार, सर्दी या कफ जैसी समस्याएं उत्पन्न होंगी। किसी का भला करने के चक्कर में आप अपना नुकसान कर बैठेंगे।

वृषभ – आपके मन में उलझन के कारण आप उचित निर्णय नहीं ले सकेंगे। स्वास्थ्य बिगड़ेगा। वाणी पर नियंत्रण न रहने के कारण व्यर्थ की चर्चा से मतभेद या संघर्ष के अवसर उत्पन्न होंगे।

मिथुन – आपको स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए। तबीयत खराब होने के कारण खर्च होने की संभावना है। स्वभाव उग्र बनेगा, ऐसे में वाणी पर संयम रखना आवश्यक है।

कर्क – आप समाज में यश, प्रतिष्ठा और ख्याति प्राप्त कर सकेंगे। महिलाओं से लाभ हो सकता है। सामाजिक जीवन में आनंद की अनुभूति होगी।

सिंह – आपको तन-मन में थकान महसूस होगी। परिवार में तनावपूर्ण वातावरण रहेगा। इससे आपको मानसिक भय का अनुभव होगा। अनिद्रा की समस्या भी सताएगी।

कन्या – साहित्य तथा कला से संबंधित प्रवृत्तियों में विशेष रुचि बढ़ेगी। आप बौद्धिक चर्चा में भाग ले सकेंगे। विद्यार्थियों के लिए भी समय अनुकूल है।

तुला – तन-मन में आनंद की अनुभूति होगी। आपके भाग्य में निखार आ सकता है। विदेश से अच्छे समाचार मिलेंगे। धर्म संबंधी कामकाज या दर्शन के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

वृश्चिक – आज आपको आनंद और उत्साह अनुभव होगा। नए काम की शुरुआत करने से लाभ हो सकता है। मित्रों और स्नेहीजनों के साथ मिलकर स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेने की संभावना है।

धनु – आपके व्यापार और आय में वृद्धि होगी। आप नए संपर्क बना सकेंगे। मित्रों के साथ मौज-मस्ती करने का समय है। प्रवास की भी संभावना है। महिलाओं से लाभ हो सकता है।

मकर – आज का दिन अच्छा होने के कारण आपके सभी काम अच्छी तरह संपन्न होंगे। घर और ऑफिस का वातावरण प्रफुल्लित और आनंदमयी बना रहेगा। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

कुंभ – आपका आज का दिन आनंद में व्यतीत होगा। परिस्थितियां अनुकूल होने के कारण सभी काम सरलतापूर्वक संपन्न होंगे। मानसिक खुशी का भी अनुभव होगा।

मीन – आज नौकरी में लाभ तथा प्रगति का योग है। पारिवारिक वातावरण सुख-शांति से भरपूर रहेगा। विरोधियों को पराजित कर सकेंगे। सहकर्मी आपकी मदद करेंगे।

मानसून सत्र में जिले में 23 लाख से अधिक पौधरोपण का लक्ष्य

मुमन पत्रिका@ बजरंग सिंह

सवाई माधोपुर, 04 जून। प्रदेश सरकार के 'हरियालो राजस्थान अभियान' के तहत इस मानसून सत्र में सवाई माधोपुर जिले में 23 लाख 64 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसे लेकर सामाजिक वानिकी विभाग एवं अन्य विभागों द्वारा तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पौधा वितरण का शुभारंभ 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस से किया जाएगा। सामाजिक वानिकी की सहायक वन संरक्षक मनीषा शर्मा ने बताया कि जिले की 9 नर्सरियों में करीब 14 लाख 7 हजार पौधे तैयार किए गए हैं। इसके अलावा पंचायतीराज एवं निजी नर्सरियों में भी पौधे उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने बताया कि आलनपुर नर्सरी में 3.70 लाख, गंगापुरसिटी में 2.70 लाख, बौंली और सिन्योली में 1.40-1.40 लाख सहित विभिन्न नर्सरियों में पौधे तैयार किए गए हैं। नर्सरियों में नीम, पीपल, बरगद, अशोक, अमलतास, शीशम, गुलमोहर, इमली सहित 52 प्रजातियों के फलदार, फूलदार एवं छायादार पौधे तैयार किए गए हैं। विभाग के अनुसार सरकारी विभागों, संस्थाओं, एनजीओ

विश्व पर्यावरण दिवस पर भाजपाइयों का वृक्षारोपण अभियान, मंडल स्तर तक लगाएंगे 'एक पेड़ मां के नाम'

मुमन पत्रिका

सवाई माधोपुर, । भारतीय जनता पार्टी द्वारा मोदी सरकार के '12 साल बेमिसाल' अभियान एवं विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिलेभर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके तहत मंडल स्तर तक कार्यकर्ता 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण करेंगे। भाजपा जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित होने वाले इस विशेष अभियान के लिए खंडार प्रधान नरेन्द्र चौधरी को पार्टी का जिला संयोजक नियुक्त किया गया है। अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से भाजपा जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक में अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई तथा अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं एवं आमजन को पौधारोपण से जोड़ने का आह्वान किया गया। बैठक के पश्चात भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पुनिया एवं भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री डॉ. अल्का सिंह गुर्जर को राज्यसभा उम्मीदवार बनाए जाने पर खुशी व्यक्त की गई। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने कार्यकर्ताओं को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं। बैठक में पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेश जैन, डॉ. भरत मथुरिया, प्रधान नरेन्द्र चौधरी, जिला उपाध्यक्ष सत्यनारायण धाकड़, हरिओम गर्ग, पंडित लालचंद गौतम, जिला कोषाध्यक्ष दीनदयाल अग्रवाल, जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अशोकराज मीणा, महिला मोर्चा की पूर्व जिलाध्यक्ष संतोष मथुरिया, जिला कार्यालय मंत्री मुकेश शर्मा तथा एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष अशोक बैंडवाल सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

रास्ता खोलो अभियान के तहत प्रशासन की कार्रवाई,बंद रास्ते पर चला प्रशासन का पीला पंजा

मुमन पत्रिका@राशिद खान

मलारना डूंगर। उपखंड क्षेत्र में 'रास्ता खोलो अभियान' के तहत प्रशासन ने गुरुवार को मोहम्मदपुर गांव में बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 30 वर्षों से बंद पड़े रास्ते को अतिक्रमण मुक्त कराया। प्रशासन की इस कार्रवाई से किसानों और ग्रामीणों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। जानकारी के अनुसार मोहम्मदपुर गांव में इस्लाम के खेत से रियासत अली के खेत तक मोहम्मदपुर गांव को जोड़ने वाला रास्ता पर लंबे समय से अतिक्रमण था। राजस्व विभाग की टीम ने सीमाज्ञान की प्रक्रिया पूरी करने के बाद करीब डेढ़ किलोमीटर रास्ते से अतिक्रमण हटाया। कार्रवाई तहसीलदार रामजीलाल मीणा के नेतृत्व में की गई। इस दौरान राजस्व विभाग की टीम में गिरदावर धर्म सिंह गुर्जर, पटवारी हरिओम सुमन एवं अशोक बिरनोई सहित पुलिस जाब्ता मौजूद रहा। प्रशासन द्वारा रास्ता खुलवाए जाने पर ग्रामीणों और किसानों ने आभार जताया। लंबे समय से बंद पड़े मार्ग के खुलने से अब खेतों तक पहुंचने और कृषि कार्यों के लिए आवागमन सुगम हो सकेगा। प्रशासन ने बताया कि रास्ता खोलो अभियान के तहत सार्वजनिक रास्तों से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी।

शहरी रोजगार गारंटी योजना को लेकर हंगामा, श्रमिकों ने लगाया जाम

मुमन पत्रिका@ दीपक गिरी

बौंली। मुख्यमंत्री शहरी रोजगार गारंटी योजना के तहत श्रमिकों की अनुपस्थिति दर्ज किए जाने के विरोध में गुरुवार को बौंली नगर पालिका क्षेत्र में श्रमिकों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए निवाई रोड स्थित स्टेट हाईवे पर जाम लगा दिया। करीब एक घंटे तक चले प्रदर्शन से सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जानकारी के अनुसार उपखंड मुख्यालय स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में योजना के तहत श्रमिक कार्य कर रहे थे। दोपहर बाद नगर पालिका अधिशासी अधिकारी बृजेश मीणा एवं कनिष्ठ अभियंता मुनेश सैनी निरीक्षण के लिए पहुंचे। निरीक्षण के दौरान श्रमिक कार्यस्थल पर मौजूद नहीं मिले, जिस पर कई श्रमिकों को अनुपस्थित दर्ज कर दिया गया। इस कार्रवाई से नाराज श्रमिक बड़ी संख्या में नगर पालिका कार्यालय पहुंच गए और विरोध जताया। श्रमिकों का कहना था कि अधिकारी उनके लंच समय के दौरान पहुंचे थे और उस समय वे विश्राम कर रहे थे। बिना उचित जांच के गैरहाजिर दर्ज करने से उनकी मजदूरी प्रभावित होगी और परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो जाएगा। प्रदर्शनकारी श्रमिकों ने कार्यस्थलों पर पेयजल, छाया एवं प्राथमिक उपचार जैसी मूलभूत सुविधाओं के अभाव का भी आरोप लगाया। साथ ही पिछले दो-तीन वर्षों से मेटों का भुगतान लंबित होने की बात कही, जिससे श्रमिकों में नाराजगी व्याप्त है। आक्रोशित श्रमिकों ने नगर पालिका कार्यालय के बाहर मुख्य सड़क पर बैठकर जाम लगा दिया। सूचना पर थाना अधिकारी जितेंद्र सिंह सोलंकी पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे और श्रमिकों से वार्ता कर समझाइश की। बाद में नगर पालिका अधिशासी अधिकारी बृजेश मीणा भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने श्रमिकों को आश्वस्त किया कि उनकी आपत्तियों की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी तथा लंबित भुगतान प्रक्रिया को भी शीघ्र आगे बढ़ाया जाएगा। आश्वासन मिलने के बाद श्रमिकों ने जाम समाप्त कर मार्ग को सुचारू कर दिया।

अलूदा में निकली कलश यात्रा, जल संरक्षण का लिया संकल्प

मुमन पत्रिका@ दीपक गिरी

बौंली।राजस्थान सरकार के 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' के तहत गुरुवार को बौंली उपखंड की कोडयाई ग्राम पंचायत के अलूदा गांव में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने कलश यात्रा निकालकर जल संरक्षण का संदेश दिया और पानी बचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरुआत कलश पूजन से हुई, जिसके बाद गांव में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। महिलाओं, युवाओं और ग्रामीणों ने उत्साह के साथ भाग लेते हुए 'जल ही जीवन है' और 'पानी बचाओ, भविष्य बचाओ' जैसे नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। उपखंड अधिकारी रामसिंह राजावत ने कहा कि जल संरक्षण हर नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने वर्षा जल संचयन अपनाने और जल स्रोतों की सुरक्षा करने का आह्वान किया। अभियान का उद्देश्य जल संरक्षण, भूजल स्तर सुधार और पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में विकास अधिकारी हेम श्री प्रद्युम्न, तहसीलदार दिनेश मीना, भाजपा मंडल अध्यक्ष हनुमंत दीक्षित, पंचायत प्रशासक प्रेम देवी मीणा सहित कई अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने जल संरक्षण की शपथ लेकर पानी की हर बूंद बचाने का संकल्प लिया।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से महिला घायल, कार्रवाई नहीं होने से नाराजगी

मुमन पत्रिका

जयपुर। गलता गेट थाना क्षेत्र के पाड़ा मंडी चौराहा इलाके में तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे में महिला के कई दांत टूट गए तथा चेहरे, हाथ और पैरों में चोटें आई हैं। पीड़िता सीमा निवासी कलीका भट्टा पाड़ा मंडी चौराहा ईदगाह ने बताया कि 25 मई की सुबह वह काम पर जा रही थी। इसी दौरान तेज गति से आई मोटरसाइकिल ने उसे टक्कर मार दी। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने घायल महिला को अस्पताल पहुंचाया। पीड़िता का आरोप है कि घटना की सूचना पुलिस को देने के बावजूद 9 दिन बाद भी आरोपित के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। परिजनों ने आरोपी चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

धौलपुर हॉकी टीम ने जोधपुर को 3-1 से हराया

मुमन पत्रिका

धौलपुर। पाली के पुलिस लाइन मैदान में आयोजित 16वीं राज्य स्तरीय जूनियर हॉकी प्रतियोगिता में धौलपुर हॉकी टीम ने शानदार शुरुआत करते हुए जोधपुर को 3-1 से पराजित किया। जिला हॉकी संघ के संयुक्त सचिव अजय बघेल ने बताया कि मैच में धौलपुर के खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल दिखाते हुए शुरुआत से ही दबाव बनाए रखा। टीम की ओर से उबेद, मयंक शर्मा और अमन ने एक-एक गोल किया। धौलपुर के खिलाड़ियों ने मजबूत रक्षात्मक खेल का प्रदर्शन करते हुए जोधपुर को केवल एक गोल तक सीमित रखा। शानदार प्रदर्शन के लिए खिलाड़ी उबेद को 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया। कोच योगेश थापा ने खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि टीम ने रणनीति के अनुसार खेलते हुए शानदार जीत दर्ज की है।

दिनदहाड़े बुजुर्ग महिला से 4.23 लाख की लूट, इलाके में दहशत

मुमन पत्रिका

जयपुर। सोडाला थाना क्षेत्र के सुशीलपुरा (जमुनानगर) में दिनदहाड़े बुजुर्ग महिला से लूट की वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। बदमाश महिला के सोने के आभूषण लूटकर फरार हो गया। लूटे गए जेवरों की कीमत करीब 4.23 लाख रुपये बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार 74 वर्षीय संतोष अग्रवाल मंगलवार दोपहर मंदिर से घर लौट रही थीं। घर के पास पहुंचते ही एक बदमाश ने पीछे से हमला कर उन्हें सड़क पर गिरा दिया और कानों के टॉप्स व गले की चेन लूटकर फरार हो गया। घटना में महिला घायल हो गई। पूरी वारदात पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश में जुटी हुई है। घटना की सूचना पर सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा पीड़िता के घर पहुंचे और परिवार को न्याय दिलाने का भरोसा दिया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को आरोपी की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए। घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लोगों में आक्रोश है।

बालिका से छेड़छाड़ मामले में 100 घंटे में चालान पेश

मुमन पत्रिका

बारां। महिला थाना बारां पुलिस ने बालिका से छेड़छाड़ के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी के खिलाफ मात्र 100 घंटे में अनुसंधान पूरा कर न्यायालय में चालान पेश किया है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक अन्दासु ने बताया कि 30 मई 2026 को एक महिला ने अपनी नाबालिग बेटी के साथ महिला थाना पहुंचकर अज्ञात व्यक्ति द्वारा छेड़छाड़ किए जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। आशा कुंवर सिंह के निर्देशन में पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों एवं गहन अनुसंधान के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए मात्र 100 घंटे में आरोपी के खिलाफ चालान पेश कर दिया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि महिला एवं बालिकाओं के खिलाफ अपराध करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

अवैध खनन पर बड़ी कार्रवाई, जब्त वाहनों पर 9.12 लाख का जुर्माना

मुमन पत्रिका

बारां। अवैध खनन के खिलाफ परिवहन विभाग और पुलिस विभाग की संयुक्त कार्रवाई में जब्त किए गए वाहनों पर परिवहन विभाग ने 9 लाख 12 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक अन्दासु ने बताया कि विशेष अभियान के तहत 52 वाहनों को जब्त किया गया था। जांच में अनियमितता मिलने पर 36 वाहनों पर कार्रवाई की गई, जिनमें ट्रैक्टर -ट्रॉली, डंपर, जेसीबी और मोटरसाइकिल शामिल हैं। परिवहन निरीक्षक सूरज भानु सिंह ने बताया कि इन वाहनों पर कुल 9.12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। जानकारी के अनुसार 30 मई को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. कमल कुमार के सुपरविजन में गठित संयुक्त टीमों ने मांगरोल क्षेत्र में पार्वती नदी पर छापेमारी कर अवैध खनन में उपयोग हो रहे वाहनों और मशीनों को जब्त किया था। कार्रवाई के दौरान पोकलेन मशीनें, जेसीबी, डंपर, रेत से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली, नावें और अन्य वाहन जब्त किए गए। पुलिस और परिवहन विभाग की इस कार्रवाई को जिले में अवैध खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है।

खाद्य आपूर्ति विभाग की सलाहकार समिति में छह नए गैर-सरकारी सदस्य मनोनीत

मुमन पत्रिका

सवाई माधोपुर। राजस्थान सरकार के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए तहसील स्तरीय उचित मूल्य दुकान आवंटन सलाहकार समिति में संशोधन किया है। विभाग द्वारा जारी आदेश के तहत सवाई माधोपुर शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के लिए छह नए गैर-सरकारी सदस्यों का मनोनयन किया गया है।जारी आदेश के अनुसार नगर परिषद सवाई माधोपुर (शहरी क्षेत्र) की समिति में श्रीमती सीमा गौतम, राजेश गोयल एवं रामहरी चौधरी को सदस्य नियुक्त किया गया है। वहीं तहसील सवाई माधोपुर (ग्रामीण क्षेत्र) की समिति में विकास मीणा (अजनोटी), श्रीमती चेतना मीणा (सूरवाल) तथा कैलाश मीणा (जटवाड़ा) को गैर-सरकारी सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की ओर से जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। आदेश को सक्षम स्तर से स्वीकृति प्रदान की गई है तथा इस पर अतिरिक्त खाद्य आयुक्त पूनम प्रसाद सागर के हस्ताक्षर हैं। जानकारों का मानना है कि नए सदस्यों के मनोनयन से उचित मूल्य दुकानों के आवंटन प्रक्रिया में स्थानीय स्तर पर जनभागीदारी बढ़ेगी और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के संचालन में पारदर्शिता को मजबूती मिलेगी। विभाग की इस पहल को आमजन के हित में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

गोवर्धन धाम भगवान श्रीकृष्ण की लीलास्थली : आचार्य कैलाशचंद तेहरिया

मुमन पत्रिका@ नईम अख्तर

सवाई माधोपुर। कोटा के पुरुषार्थ भवन गोबरिया बावड़ी में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा में कथा व्यास आचार्य कैलाशचंद तेहरिया ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं और गोवर्धन पूजा प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने कहा कि गोवर्धन धाम भगवान श्रीकृष्ण की पावन लीलास्थली है, जहां द्वापर युग में भगवान ने ब्रजवासियों की रक्षा के लिए गोवर्धन पर्वत अपनी कनिष्ठ अंगुली पर धारण किया था। कथा में कृष्ण जन्म, पुतना वध, माखन चोरी और बकासुर वध की कथाओं का वर्णन सुन श्रद्धालु भावविभोर हो उठे तथा भजनों पर नृत्य किया। आचार्य तेहरिया ने कहा कि भागवत श्रवण से मनुष्य को ज्ञान, सुख और पुण्य की प्राप्ति होती है। लॉयन्स क्लब कोटा साउथ द्वारा आयोजित यह कथा 6 जून तक प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक आयोजित की जा रही है। इस अवसर पर सुरेंद्र शर्मा का व्यासपीठ द्वारा स्वागत किया गया।

अवकाश के दिनों में कार्य नहीं लेने की मांग को लेकर कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन

मुमन पत्रिका

सवाई माधोपुर। राजस्थान कृषि पर्यवेक्षक, पटवार एवं ग्राम विकास अधिकारी संघ ने राज्य सरकार को ज्ञापन सौंपकर अवकाश के दिनों में कर्मचारियों से गैर-आपातकालीन कार्य नहीं लेने की मांग की है। संघ पदाधिकारियों ने बताया कि चुनाव, सर्वे, जनगणना और विभिन्न सरकारी योजनाओं के कारण कर्मचारियों पर लगातार कार्यभार बढ़ रहा है, जिससे उन्हें परिवार और सामाजिक जीवन के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि रविवार और सार्वजनिक अवकाशों पर भी कार्य लेने से कर्मचारियों के मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। कृषि पर्यवेक्षक लोकेश कुमार मीणा ने कहा कि सरकार को कर्मचारियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए अवकाश के दिनों में बैठकों, प्रशिक्षण और अन्य गैर-जरूरी कार्यों पर रोक लगानी चाहिए। इस दौरान जिला अध्यक्ष हनुमान प्रसाद गुर्जर, सियाराम गुर्जर, चिरंजी लाल, मेघराज चौधरी, विक्रम गुर्जर, रवि कुमार सहित कई कर्मचारी मौजूद रहे।

समर कैंप में बच्चों ने सीखे चित्रकारी के गुर

मुमन पत्रिका

चौथ का बरवाड़ा। म्हारो बरवाड़ो फाउंडेशन द्वारा शिव मंदिर पार्क में आयोजित चतुर्थ आत्मरक्षा, चरित्र निर्माण एवं सनातन शिक्षा शिविर के 11वें दिन बुधवार को आर्ट वर्कशॉप का आयोजन हुआ। रणथंभौर स्कूल ऑफ आर्ट्स के चित्रकार राजेश कुमार सैनी ने बच्चों को चित्रकारी की बारीकियां सिखाईं। उन्होंने कहा कि कला व्यक्ति को प्रकृति से प्रेम करना और मन को शांत रखना सिखाती है। इस दौरान सैनी ने बाघ की आकर्षक पेंटिंग बनाकर बच्चों को दिखाई, जिसे सभी ने सराहा। बच्चों को ऑन द स्पॉट पेंटिंग बनाने के तरीके भी बताए गए।शिविर में बच्चों ने आसपास की सुंदरता को कागज पर उतारने का प्रयास किया और कई बच्चों ने पहली बार में ही सुंदर चित्र बनाए। कार्यशाला में राकेश शर्मा, मुकेश वर्मा, हंसराज मीणा, मनीष वर्मा, दामोदर वर्मा एवं शिक्षिका रिंकी महावर सहित अन्य मौजूद रहे।

बिटूमिन मूल्य अब हर माह होगा जारी, सड़क परियोजनाओं को मिलेगी रफ्तार

मुमन पत्रिका@ अशफाक अब्बासी

जयपुर। राज्य में सड़क निर्माण परियोजनाओं को गति देने के लिए उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बड़ा फैसला लिया है। अब बिटूमिन (डामर) का प्रावधिक मूल्य मासिक आधार पर जारी किया जाएगा, जिससे सड़क निर्माण कार्यों में तेजी आएगी।इसके साथ ही पश्चिम एशिया संकट से प्रभावित सड़क परियोजनाओं को बिना लिक्विडेटेड डैमेज (एलडी) लगाए दो माह का अतिरिक्त समय देने का निर्णय भी किया गया है। इससे संवेदकों को राहत मिलेगी और रुकी परियोजनाएं समय पर पूरी हो सकेंगी। हाल ही में पीडब्ल्यूडी संवेदकों ने उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं से अवगत कराया था। इसके बाद उन्होंने पीडब्ल्यूडी और वित्त विभाग के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए थे। सरकार के इस निर्णय का संवेदकों ने स्वागत करते हुए कहा कि इससे सड़क निर्माण कार्यों को नई गति मिलेगी।

महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक, राजस्थान को मॉडल स्टेट बनाने पर जोर

मुमन पत्रिका@ अशफाक अब्बासी

जयपुर, । उप मुख्यमंत्री एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में गुरुवार को सचिवालय में महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में शासन सचिव पूनम, आईसीडीएस निदेशक वासुदेव मालावत, महिला अधिकारिता आयुक्त राकेश राजोरिया सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को राजस्थान को महिला एवं बाल विकास के क्षेत्र में मॉडल स्टेट बनाने के लिए संकल्पित होकर कार्य करने के निर्देश दिए। शासन सचिव पूनम ने बताया कि पोषण ट्रैकर ऐप, पीएमएमवीवाई और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसी योजनाओं में राजस्थान राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। बैठक में स्टेट्स के माध्यम से प्रीफेब्रिकेटेड मॉडल आंगनबाड़ी विकसित करने की योजना पर भी चर्चा हुई। इन केंद्रों में स्मार्ट क्लास, किचन गार्डन, बाल मैत्री फर्नीचर और टॉय बैंक जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। उप मुख्यमंत्री ने किराये और जर्जर आंगनबाड़ी भवनों को चरणबद्ध तरीके से आधुनिक मॉडल केंद्रों में बदलने के निर्देश दिए। दिया कुमारी ने लाडो प्रोत्साहन योजना, उड़ान योजना तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक बाल शिक्षा और डिजिटल शिक्षण के लिए कार्यकर्ताओं का नियमित प्रशिक्षण जरूरी है। इसके अलावा वन स्टॉप सेंटर योजना के तहत निर्माणाधीन सात केंद्रों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए।

चोरू में रोडवेज बस संचालन को लेकर हाईवे जाम, आश्वासन के बाद खुला रास्ता

मुमन पत्रिका

टोंक। अलीगढ़ थाना क्षेत्र के चोरू कस्बे में गुरुवार को रोडवेज बसों के संचालन को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। जनसेवक गणेश शर्मा और पंचायत समिति सदस्य फोरूलाल मीणा के नेतृत्व में ग्रामीणों ने टोंक-सवाई माधोपुर नेशनल हाईवे-116 पर चक्का जाम कर दिया। करीब दो घंटे तक चले जाम से हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। ग्रामीणों का आरोप था कि पिछले एक वर्ष से रोडवेज बसें चोरू बस स्टैंड के बजाय हाईवे बाईपास से निकल रही हैं, जिससे गांव के बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार ज्ञापन देने और धरना-प्रदर्शन के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। सूचना मिलने पर अलीगढ़ तहसीलदार धर्मेंद्र तसेरा, उनियारा पुलिस उपाधीक्षक आकांक्षा कुमारी एवं पुलिस जाप्ता मौके पर पहुंचा। अधिकारियों ने ग्रामीणों से वार्ता कर रोडवेज विभाग से चर्चा की। प्रशासन और रोडवेज अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि टोंक-सवाई माधोपुर रूट की बसों का संचालन अब चोरू बस स्टैंड से नियमित रूप से किया जाएगा। आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने जाम समाप्त कर दिया और हाईवे पर यातायात सुचारु हो गया।

टोंक पुलिस की चार बड़ी कार्रवाई, अवैध शराब-बजरी जब्त, इनामी आरोपी गिरफ्तार

मुमन पत्रिका@ विनोद सांखला

टोंक। पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में जिलेभर में अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने चार बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध शराब, बजरी और पत्थर जब्त किए तथा एक इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया। दूनी थाना एवं डीएसटी टीम ने राजमहल क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन प्रकरण दर्ज किए। पुलिस ने एक आरोपी बंशीलाल मीणा को गिरफ्तार कर बड़ी मात्रा में बीयर, अंग्रेजी-देशी शराब और नकदी जब्त की। वहीं दो अन्य मामलों में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। बरोनी थाना पुलिस ने अवैध बजरी परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चार ट्रैक्टर-ट्रॉली में परिवहन की जा रही करीब 32 टन बजरी जब्त कर चार प्रकरण दर्ज किए। वहीं सोप थाना पुलिस ने दो ट्रैक्टर-ट्रॉली में परिवहन हो रहे 10 टन अवैध चेजा पत्थर को जब्त कर मामला दर्ज किया। इधर निवाई सिटी थाना पुलिस ने सौर ऊर्जा लगवाने के नाम पर धोखाधड़ी के मामले में चार साल से फरार 6 हजार रुपये के इनामी आरोपी ईशाक मोहम्मद मंसूरी उर्फ सोनू को गिरफ्तार किया। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था। सभी कार्रवाई पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन एवं संबंधित अधिकारियों के सुपरविजन में की गई।

जनगणना निदेशक ने मकान सूचीकरण कार्य का किया सत्यापन

मुमन पत्रिका@ विनोद सांखला

टोंक। जनगणना 2027 के तहत चल रहे मकान सूचीकरण कार्य का गुरुवार को जनगणना निदेशक विष्णु चरण मलिक ने निवाई तहसील की ग्राम पंचायत गुंसी पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने घर-घर जाकर मकान सूचीकरण कार्य का भौतिक सत्यापन किया तथा जनगणना एप पर लाइव डेटा भरवाकर जांच की। इस दौरान प्रगणकों को निर्देश दिए कि निर्धारित प्रश्नों के अनुसार ही सही जानकारी दर्ज करें, ताकि डेटा में त्रुटि न रहे। मलिक ने जनगणना कार्य की गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए अधिकारियों और प्रगणकों का मार्गदर्शन भी किया। निरीक्षण के दौरान उप जिला जनगणना अधिकारी राजेंद्र सिंह शेखावत, उपखंड अधिकारी अजीत सिंह राठौड़, तहसीलदार नरेश कुमार गुर्जर, सहायक सांख्यिकी अधिकारी राजेन्द्र सैनी सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

खेत बचाओ अभियान' को जनआंदोलन बनाएं : कृषि मंत्री

मुमन पत्रिका

सवाई माधोपुर/जयपुर। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल ने कहा कि स्वस्थ मिट्टी, संरक्षित पानी और जागरूक किसान ही समृद्ध राजस्थान की पहचान हैं। उन्होंने अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कृषि वैज्ञानिकों से 'खेत बचाओ अभियान' को जनआंदोलन का रूप देने का आह्वान किया। पंत कृषि भवन में गुरुवार को आयोजित समीक्षा बैठक में कृषि मंत्री ने 'खेत बचाओ अभियान' तथा खरीफ-2026 उर्वरक आपूर्ति की समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि अभियान के पहले तीन दिनों में प्रदेशभर में 2,382 कृषि गतिविधियां आयोजित कर 77,806 किसानों से सीधा संवाद किया गया। 294 कृषक गोष्ठियों में 13,273 किसान लाभान्वित हुए, जबकि संतुलित उर्वरक उपयोग के 184 जागरूकता कार्यक्रमों में 8,987 किसानों ने भाग लिया। ग्रामीण क्षेत्रों में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कृषि वैज्ञानिकों ने रात्रि चौपालों के माध्यम से किसानों की समस्याएं सुनीं और समाधान किया। वहीं कृषि सखी, पशु सखी, लखपति दीदी और नमो ड्रोन दीदियों के जरिए जैविक एवं नैनो उर्वरकों के उपयोग का संदेश गांव-गांव पहुंचाया जा रहा है। कृषि मंत्री ने बताया कि खरीफ सीजन के लिए राज्य में उर्वरकों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। वर्तमान में 8.27 लाख मीट्रिक टन उर्वरक स्टॉक मौजूद है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 84,166 मीट्रिक टन अधिक है। इसके अलावा केंद्र सरकार ने जून माह के लिए 4.70 लाख मीट्रिक टन अतिरिक्त उर्वरक आवंटित किया है। उन्होंने कहा कि यूरिया की कालाबाजारी और अवैध परिवहन रोकने के लिए राज्य की सीमाओं पर 61 चेकपोस्ट सक्रिय हैं तथा नियम उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।बैठक में कृषि मंत्री ने किसानों और जनप्रतिनिधियों से प्राकृतिक खेती अपनाने, जल संरक्षण को बढ़ावा देने तथा ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई पद्धति के अधिकतम उपयोग का भी आह्वान किया।

पीएम सूर्यघर योजना में शानदार प्रदर्शन, राजस्थान को मिले 6 राष्ट्रीय पुरस्कार

मुमन पत्रिका

जयपुर, 4 जून। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। नई दिल्ली में आयोजित समारोह में केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने राजस्थान डिस्कॉम्स को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए। ऊर्जा सचिव एवं राजस्थान डिस्कॉम्स की चेयरमैन सुश्री आरती डोगरा ने चार अलग-अलग श्रेणियों में यह सम्मान ग्रहण किया। योजना के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित समारोह में राजस्थान को 90 लाख से 1.50 करोड़ विद्युत उपभोक्ता वाले राज्यों की श्रेणी में मई माह के दौरान रूफ टॉप सोलर के सर्वाधिक आवेदन, इंस्टॉलेशन, निरीक्षण एवं वेंडर रजिस्ट्रेशन के लिए द्वितीय पुरस्कार दिया गया। वहीं सर्वाधिक इंस्टॉलेशन वाले देश के 10 श्रेष्ठ जिलों की श्रेणी में जयपुर को 7वां स्थान मिला। यह पुरस्कार जयपुर डिस्कॉम की अधीक्षण अभियंता (पीएम सूर्यघर) श्रीमती महिमा साराभाई ने ग्रहण किया। इसके अलावा वेंडर श्रेणी में उत्तर भारत में सर्वाधिक रूफ टॉप सोलर इंस्टॉलेशन के लिए मिलन सौर ऊर्जा केंद्र को भी द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि मई माह के दौरान जयपुर, जोधपुर और अजमेर डिस्कॉम क्षेत्र में 39,279 उपभोक्ताओं ने योजना में पंजीकरण कराया। इनमें से 27,700 आवेदनों का भौतिक सत्यापन किया गया तथा 26,632 रूफ टॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए गए। साथ ही 177 नए वेंडरों को भी योजना से जोड़ा गया।

रेलकर्मियों की ईमानदारी बनी मिसाल, यात्री का खोया मोबाइल लौटाया

मुमन पत्रिका

कोटा। कोटा जंक्शन पर रेल कर्मचारियों ने ईमानदारी और सतर्कता का परिचय देते हुए प्लेटफॉर्म पर मिले यात्री के मोबाइल फोन को सुरक्षित उसके परिजनों को सौंपकर सराहनीय कार्य किया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर टिकट जांच अभियान के दौरान गाड़ी संख्या 12955 के प्रस्थान के बाद ड्यूटी पर तैनात सीसीटीसी ऋषभ कुमार को एक मोबाइल फोन लावारिस अवस्था में मिला। इसकी सूचना तुरंत कंट्रोल रूम को दी गई। कुछ देर बाद मोबाइल पर कॉल आने पर मालिक से संपर्क किया गया तथा आवश्यक जानकारी लेकर पहचान की पुष्टि की गई। इसके बाद कोटा निवासी रिश्तेदार पुरुषोत्तम को प्रधान टिकट संग्राहक कार्यालय बुलाकर सत्यापन के बाद मोबाइल सुपुर्द कर दिया गया। मोबाइल वापस मिलने पर यात्री ने रेल कर्मचारियों की ईमानदारी एवं सेवा भावना की सराहना करते हुए रेल प्रशासन का आभार जताया।

रोमांचक मुकाबले में जगदम्बा वॉलीबॉल क्लब बना चैंपियन, रात्रिकालीन प्रतियोगिता का हुआ समापन

मुमन पत्रिका

चौथ का बरवाड़ा। नलिनी फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित प्रथम रात्रिकालीन वॉलीबॉल प्रतियोगिता का बुधवार को उत्साह और खेल भावना के साथ समापन हुआ। फाइनल मुकाबले में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में गांधी जीवन दर्शन समिति सवाई माधोपुर के जिला संयोजक विनोद जैन मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बसंती लाल सैनी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्रजमोहन सिसोदिया, इकबाल खान, बनवारी लाल बैरवा एवं नलिनी फाउंडेशन सदस्य अजीम कुरैशी सहित गांव के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आयोजन में शकील मंसूरी, विनोद वर्मा, मनोज वर्मा और दीनदयाल महावार सहित अन्य सहयोगकर्ताओं की भी सक्रिय भूमिका रही। आयोजनकर्ता बंटी काजी ने बताया कि प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला जगदम्बा वॉलीबॉल क्लब और सीकेबी वाइल्ड स्पाइक्स के बीच खेला गया। 25-25 अंकों के सेटों में खेले गए मुकाबले में जगदम्बा वॉलीबॉल क्लब ने दमदार प्रदर्शन करते हुए 3-0 से शानदार जीत दर्ज कर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया।

साइबर ठग गिरोह का मुख्य आरोपी गिरफ्तार, निवेश पर राशि दोगुनी करने का देता था झांसा

मुमन पत्रिका

सवाई माधोपुर। जिले में साइबर ठगी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए निवेश के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले गिरोह के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी लोगों को कम समय में राशि दोगुनी करने का लालच देकर साइबर ठगी की वारदातों को अंजाम देता था। जिला पुलिस अधीक्षक सुश्री ज्येष्ठा मैत्रेयी के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजयसिंह एवं उदय सिंह, पुलिस उपाधीक्षक शहर सवाई माधोपुर के सुपरविजन में थाना मानटाउन प्रभारी सुनील कुमार गुप्ता ने टीम के साथ कार्रवाई करते हुए 3 जून को प्रकरण संख्या 72/2026 में वांछित आरोपी प्रेमशंकर पुत्र जयचंद मीना (51) निवासी श्यामोता को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ सूरवाल थाने में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं एवं आईटी एक्ट की धारा 66-डी के तहत मामला दर्ज है। इस प्रकरण में पूर्व में आरोपी के पुत्र धर्मसिंह मीणा (18) को भी गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच में सामने आया कि आरोपी विभिन्न मोबाइल नंबरों, जीमेल आईडी, व्हाट्सएप, टेलीग्राम एवं अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से खुद को निवेश सलाहकार बताकर लोगों को अधिक मुनाफे का लालच देते थे। शुरुआत में पीड़ितों से कम राशि निवेश करवाई जाती थी और उन्हें लाभ दिखाकर विश्वास में लिया जाता था। इसके बाद बड़ी रकम विभिन्न बैंक खातों एवं यूपीआई आईडी में जमा करवाई जाती थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक आरोपी पेटीएम, फोनपे सहित अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़े बैंक खातों का उपयोग ठगी से प्राप्त राशि के संग्रहण और ट्रांसफर के लिए करते थे। साइबर हेल्पलाइन 1930 पर आरोपी से जुड़े मोबाइल नंबरों के खिलाफ कई शिकायतें दर्ज हैं। पूर्व कार्रवाई में पुलिस ने आरोपी धर्मसिंह के कब्जे से दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन एवं एक आईफोन जब्त किया था। वहीं मुख्य आरोपी प्रेमशंकर के खिलाफ पहले भी मारपीट और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम से जुड़े मामले दर्ज बताए गए हैं। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है तथा गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही

विश्व पर्यावरण दिवस पर प्राकृतिक खेती कार्यशाला आज

मुमन पत्रिका

सवाई माधोपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कृषि विभाग की ओर से गुरुवार 5 जून को फूल उत्कृष्टता केन्द्र पर प्राकृतिक खेती कार्यशाला एवं कृषक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक एवं पर्यावरण अनुकूल खेती के प्रति जागरूक करना है। कार्यशाला में कृषि विशेषज्ञों द्वारा प्राकृतिक खेती की उन्नत तकनीकों, जल संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, रसायन मुक्त खेती, पर्यावरण संरक्षण तथा जैव विविधता संवर्धन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा किसानों के अनुभव साझा किए जाएंगे और कृषकों की समस्याओं एवं जिज्ञासाओं का समाधान भी किया जाएगा। कृषि विभाग ने जिले के किसानों से कार्यक्रम में अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर प्राकृतिक खेती को अपनाने और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करने की अपील की है।

विश्व साइकिल दिवस पर पर्यावरण संरक्षण का दिया सन्देश

मुमन पत्रिका

सवाई माधोपुर । विश्व साइकिल दिवस पर 3 जून को साइकिल से स्काउट गाइड ऑफिस जाकर स्काउट सचिव महेश सेजवाल ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सेजवाल ने कहा कि साइकिल चलाने से हमारा स्वास्थ्य (हर्ट मजबूत रहता, शरीर में स्फूर्ति रहती है तनाव कम रहता है) अच्छा रहता तथा प्रदूषण नहीं होता है, और ईंधन (डीज़ल, पैट्रोल) की बचत होती है। सेजवाल ने अपने घर विज्ञान नगर से रणथंभोर रोड होते हुए हम्मीर सर्किल मण्डी रोड, अहिंसा सर्किल आलनपुर होते हुए सर्किट हाउस से हाउसिंग बोर्ड स्काउट गाइड मैदान तक साइकिल चलाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने आम जन से छोटी दूरी की यात्रा साइकिल से करने की अपील की।

दुनियाभर के दुर्लभ खनिज पर नजरें गड़ाए है अमेरिका!
मार्को रूबियो बोले– हमारी कूटनीति का प्रमुख आधार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा है कि महत्वपूर्ण खनिज (क्रिटिकल मिनरल्स) अब अमेरिकी कूटनीति का एक प्रमुख आधार बन गए हैं। दुनिया भर में स्थित अमेरिकी दूतावास अब आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करने और चीन पर निर्भरता कम करने पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। मार्को रूबियो ने कहा, 'दुनिया भर में हर अमेरिकी दूतावास में महत्वपूर्ण खनिज हमारी कूटनीति का एक प्रमुख हिस्सा हैं।' उन्होंने महत्वपूर्ण खनिजों को उन्नत विनिर्माण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रक्षा प्रणालियों, सेमीकंडक्टर और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के भविष्य के लिए बेहद जरूरी बताया। उन्होंने बताया कि अमेरिका विभिन्न क्षेत्रों में अपने साझेदार देशों के साथ मिलकर वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखलाएं विकसित कर रहा है, ताकि खनन, शोधन और प्रसंस्करण में चीन के वर्चस्व से पैदा हुई कमजोरियों को कम किया जा सके। उन्होंने हाल की कूटनीतिक पहलों का भी जिक्र किया, जिनमें खनिज सुरक्षा और सहयोग पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय बैठकें शामिल हैं।

तीन दर्जन से ज्यादा देशों के साथ बातचीत : रूबियो ने कहा, 'दुर्लभ खनिज को लेकर मंत्रिस्तरीय बैठक में तीन दर्जन से अधिक देशों ने भाग लिया था।' उनके अनुसार, अमेरिका की रणनीति केवल खनिज भंडारों तक पहुंच हासिल करने तक सीमित नहीं है, बल्कि चीन के बाहर प्रसंस्करण और शोधन क्षमता बढ़ाने पर भी केंद्रित है। उन्होंने कहा कि इन सामग्रियों को इस्तेमाल योग्य उत्पाद में बदलने की क्षमता भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो गई है। यह आर्थिक तथा राष्ट्रीय सुरक्षा योजना का अहम हिस्सा है। रूबियो ने बताया कि अमेरिकी राजनयिक अब दुनियाभर की सरकारों के साथ मिलकर आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरियों की पहचान कर रहे हैं और देशों को निवेश तथा विकास के वैकल्पिक स्रोतों से जोड़ने का काम कर रहे हैं।

चीन को बताया विकासशील देशों के लिए बड़ी चुनौती : अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि बुनियादी ढांचा और औद्योगिक विकास की तलाश करने वाले कई देशों के पास अक्सर चीन समर्थित परियोजनाओं के अलावा बहुत कम विकल्प होते हैं। रूबियो ने कहा, 'वहां केवल चीनी कंपनियां ही पहुंचती हैं।' उन्होंने इसे कई विकासशील देशों के सामने मौजूद एक बड़ी चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि इसी कारण अमेरिका खनन, प्रसंस्करण, परिवहन और लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में अमेरिकी और सहयोगी देशों के विकल्पों को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहा है। इस प्रयास के तहत वित्तीय साधनों और समान सोच वाले देशों के साथ साझेदारी का इस्तेमाल किया जा रहा है, ताकि विशेष रूप से खनिज संसाधनों से समृद्ध क्षेत्रों में रणनीतिक परियोजनाओं को समर्थन दिया जा सके।

वंदे गंगा अभियान के तहत जिलेभर में हुए जल संरक्षण कार्यक्रम

मुमन पत्रिका@ विनोद सांखला

टोंक। 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026' के तहत गुरुवार को जिले के विभिन्न ब्लॉकों, सरकारी कार्यालयों और ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण एवं पर्यावरण जागरूकता से जुड़ी गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में आमजन ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग के तत्वावधान में कलश यात्रा, पौधारोपण और जल संरक्षण शपथ कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान अधिकारियों और ग्रामीणों ने जल बचाने तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। हरियालो राजस्थान कार्यक्रम के तहत पौधारोपण की रूपरेखा तैयार की गई, वहीं मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0 के अंतर्गत चयनित ग्राम पंचायतों में जल चौपाल आयोजित कर जल संग्रहण एवं संरक्षण कार्यों पर चर्चा की गई। अभियान का उद्देश्य भूजल स्तर सुधारना, पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण करना तथा लोगों को जल एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक बनाना है।

एनटीटी शिक्षक जिला टोंक संघर्ष समिति का गठन

मुमन पत्रिका@ विनोद सांखला

टोंक। जिले के पीएम श्री विद्यालयों में कार्यरत बाल वाटिका शिक्षकों एवं सफाई कर्मचारियों की बैठक आयोजित कर 'एनटीटी शिक्षक जिला टोंक संघर्ष समिति' का गठन किया गया।बैठक में सुरज्ञान कंवर को जिला संयोजक, सुरेश कुमार मीणा को जिला अध्यक्ष, गिरिराज गुर्जर को उपाध्यक्ष, प्रतिभा चौधरी को कोषाध्यक्ष तथा गिरजा नगर को सह-कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। वहीं मुकेश बैरवा, रेखा चौधरी, प्रियंका पहाड़िया, ममता शर्मा एवं गुड्डी देवी को सदस्य बनाया गया। बैठक में दयाशंकर बहादुरपुरा ने कहा कि पीएम श्री विद्यालयों में कार्यरत बाल वाटिका शिक्षकों को प्लेसमेंट एजेंसी से हटाकर संविदा पर लिया जाए तथा वेतन विसंगतियों का समाधान किया जाए। इस संबंध में आगे की रणनीति पर भी चर्चा की गई।

पीएम किसान योजना से वंचित किसान जल्द अपडेट कराएं दस्तावेज

मुमन पत्रिका

बालोतरा। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की रुकी हुई किस्तों के भुगतान के लिए दस्तावेज अपडेट करने की प्रक्रिया फिर शुरू कर दी गई है। जिला प्रशासन ने किसानों से जल्द अपने नजदीकी ई-मित्र केंद्र पर जाकर आवश्यक दस्तावेज अपडेट कराने की अपील की है।अतिरिक्त जिला कलक्टर भुवनेश्वर सिंह चौहान ने बताया कि कई किसानों की किस्तें ई-केवाईसी, बैंक खाते या अन्य तकनीकी कारणों से रुकी हुई हैं। ऐसे किसान आधार कार्ड, बैंक पासबुक, जमाबंदी और फार्मर रजिस्ट्री आईडी सहित जरूरी दस्तावेजों के साथ आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिन किसानों की फार्मर रजिस्ट्री नहीं बनी है, वे पहले रजिस्ट्री करवाएं। प्रशासन ने किसानों से समय रहते दस्तावेज सत्यापन कराने की अपील की है, ताकि आगामी किस्तें बिना बाधा खातों में पहुंच सकें।

जिला कलक्टर सुशील कुमार यादव ने विभागीय संस्थानों का किया निरीक्षण

मुमन पत्रिका

बालोतरा। जिला कलक्टर सुशील कुमार यादव ने गुरुवार को गुडामालानी एवं सिणधरी क्षेत्र के विभिन्न विभागीय संस्थानों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को आमजन को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।जिला कलक्टर ने गुडामालानी स्थित रागेश्वरी गैस टर्मिनल के पास आयुष्मान आरोग्य मंदिर का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं, दवा वितरण एवं मरीजों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने आवश्यक दवाओं और संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने पुलिस थाना परिसर का निरीक्षण कर रिकॉर्ड संधारण, परिवादों के निस्तारण एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा की। अधिकारियों को आमजन के साथ संवेदनशील व्यवहार और शिकायतों का त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने नगर पालिका सिणधरी में सफाई व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, कर संग्रहण एवं विकास कार्यों की प्रगति का भी जायजा लिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है।

डिजिटल लैब व्यवस्था पर उठे सवाल, मरीज घंटों परेशान

मुमन पत्रिका@संदीप कुमार

बामनवास, सवाईमाधोपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बामनवास में जांच रिपोर्ट मिलने में हो रही देरी से मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मरीजों का आरोप है कि सुबह 8 बजे जांच कराने पहुंचने के बावजूद दोपहर तक रिपोर्ट उपलब्ध नहीं हो रही हैं। जानकारी के अनुसार सॉफ्टवेयर और इंटरनेट संबंधी तकनीकी समस्याओं के साथ-साथ रिपोर्ट अप्रूवल प्रक्रिया में देरी के कारण मरीजों को इंतजार करना पड़ रहा है। रिपोर्ट की जानकारी लेने पर ऑपरेटरों द्वारा सवाई माधोपुर से अप्रूवल लंबित होने की बात कही जाती है। मरीजों का कहना है कि डिजिटल लैब व्यवस्था लागू होने के बावजूद समस्याएं कम नहीं हुई हैं। वर्तमान में सीएचसी बामनवास की लैब का संचालन कृष्णा डायग्नोस्टिक सेंटर, सवाई माधोपुर के अनुबंध के तहत किया जा रहा है।

स्वात्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक फरजाना बानो, अरमान प्रिन्टर्स चौथ का बरवाडा, जिला-सवाई माधोपुर (राज) 322702 से मुद्रित व चौथ का बरवाडा, जिला-सवाई माधोपुर (राज.) 322702 से प्रकाशित, कार्यालय- चतुर्भुज मन्दिर के पास चौथ का बरवाडा जिला सवाई माधोपुर (राज.) 322702 मोबाईल नं. 8209536639